सांध्य दैनिक 4PM

मेरा सबसे अच्छा दोस्त वो है जो मेरा सर्वश्रेष्ठ बाहर लाता है।
-हेनरी फोर्ड

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 05 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 6 फरवरी, 2023

देश में जो गड़बड़ी हो रही है उस पर पीएम... 8 | असम में बाल विवाह पर सियासी... 3 | नफरत छोड़ो, संविधान बचाओ... 7

तुर्की-सीरिया में भूकंप का तांडव

एक के बाद एक झटकों से कई शहर तबाह

1000 लोगों की मौत

7.8 की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर थी

पहले कभी नहीं देखी ऐसी तबाही

गाजीआनटेप शहर के लोगों का कहना है कि भूकंप की वजह से इमारतें ऐसे हिल रही थीं, जैसे कोई बच्चा पालने में हिलता रहता हो। एक निवासी इरडेम ने कहा कि मैंने अपने 40 साल के जीवन में पहले कभी ऐसा महसूस नहीं किया। उन्होंने कहा कि कम से कम 3 बार ऐसा हुआ जब इमारतें बुरी तरह से हिल गईं। हर कोई अपनी कार में बैठा हुआ है और उन जगहों पर जाने की कोशिश कर रहा है जहां खुला स्थान हो। पूरे शहर से लोग अपने घरों से बाहर आ चुके हैं।

पीएम मोदी ने जताया दुख, हर संभव मदद देंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूकंप की घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि तुर्किए में भूकंप के कारण जनहानि और संपत्ति के नुकसान से दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना। घायल जल्द स्वस्थ हों। भारत तुर्किए के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है और इस त्रासदी से निपटने के लिए हर संभव सहायता देने को तैयार है।

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अंकारा। तुर्की से लेकर सीरिया तक विनाशकारी भूकंप ने भयानक तबाही मचाई है। इस भूकंप में अब तक करीब 700 लोगों के मारे जाने की खबर है और सैकड़ों की तादाद में लोग घायल हो गए हैं। मरने वालों की संख्या 1000 के ऊपर पहुंच सकती है। तुर्की के कई शहर इस भूकंप की जद में आए हैं। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.8 थी। भूकंप के विनाशकारी झटके से तुर्की से लेकर सीरिया तक भयानक तबाही मची है। दोनों ही देशों के कई शहरों में सैकड़ों घर ढह गए हैं और बड़ी संख्या में लोग इसके मलबे के नीचे दबे हुए हैं। इस वजह से मरने वालों का यह आंकड़ा अभी बहुत ज्यादा बढ़ सकता है। भूकंप का यह जोरदार झटका दक्षिणी-पूर्वी तुर्की में आया जो सीरिया सीमा के पास है। इसका असर सीरिया के भी कई शहरों में पड़ा है। कई वर्षों से चल रहे युद्ध से तबाह हो चुके सीरिया में इस भूकंप ने भी कहर बरपाया है। अब तक करीब 100 लोगों के मरने की खबर है। तुर्की में जहां गाजीआनटेप शहर को भूकंप ने तबाह कर दिया है, वहीं सीरिया में अलेप्पो शहर को भूकंप बर्बाद कर दिया है। अमेरिका के जिओलॉजिकल सर्वे ने कहा कि यह भूकंप का झटका रिक्टर पैमाने पर 7.8 आंका गया है। इस भूकंप का केंद्र गाजीआनटेप शहर से 33 किमी की दूरी पर 17.9 किमी की गहराई में था। इससे तुर्की के 10 शहरों को भारी नुकसान पहुंचा है। तुर्की के गृहमंत्री ने कहा है कि इन शहरों में बहुत बड़ी तादाद में इमारतें तबाह हो गई हैं। इसके मलबे में बहुत बड़ी तादाद में लोग फंसे हुए हैं। भूकंप से बचे लोग अब अपनों की तलाश में इधर-उधर भटक रहे हैं। इस भूकंप के 10 मिनट बाद एक और भूकंप आया जिसकी तीव्रता 6.7 थी।

तुर्किये में अब तक 284 लोगों के शव प्राप्त हो चुके हैं और 2,300 से ज्यादा लोगों के घायल होने की आशंका है। वहीं, सीरिया में 237 लोग मारे गए और 639 जख्मी हैं। लेबनान व इजराइल में भी झटके महसूस किए गए हैं।

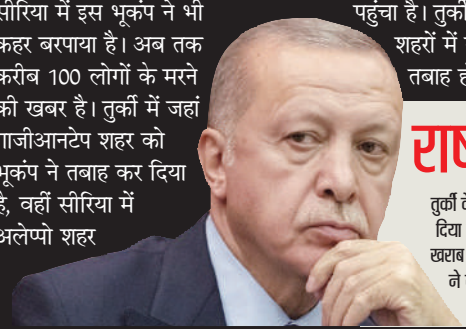

राष्ट्रपति एर्दोगान रख रहे हैं नजर

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगान ने कहा है कि भूकंप प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव टीमों को रवाना कर दिया गया है। वहीं सीरिया के विपक्षी सिविल डिफेंस ने कहा है कि विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाके में हालात बहुत ही खराब हैं। उन्होंने कहा कि पूरी की पूरी बिल्डिंग ही गिर गई है और बहुत बड़ी तादाद में लोग इसमें फंसे हुए हैं। तुर्की ने कहा है कि सानलीउर्फा, दियाबकीर, अदाना, अदियमान, मालत्या, ओसमानिये, हटाय और किलिस शहरों में भारी तबाही हुई है। तुर्की ने सर्वोच्च स्तर का अलर्ट जारी किया है और दुनिया से मदद की गुहार लगाई है।

खराब मौसम बन रही बाधा

तुर्की में खराब मौसम से राहत और बचाव कार्य में बहुत परेशानी हो रही है। तेज हवाओं की वजह से इस्तांबुल और अंकारा से पूर्वी इलाके के लिए उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। इन शहरों में भारी बर्फबारी भी हो रही है। इससे राहतकर्मी प्रभावित शहरों तक पहुंच नहीं पा रहे हैं। भूकंप से बहुत ज्यादा प्रभावित गाजीआनटेप शहर में बहुत ज्यादा बर्फ पड़ी हुई है। इन शहरों में जो लोग बचे हुए हैं, वे घरों में जाने से डर रहे हैं। यही वजह है कि उन्हें भारी बर्फबारी के बीच खुले में खड़े रहना पड़ रहा है। अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों ने मदद का ऐलान किया है।

मिस्र तक झटके

भूकंप के झटके मिस्र की राजधानी काहिरा तक महसूस किए गए। अतमेह कस्बे के चिकित्सक मुहीब कदौर ने बताया कि 'हमें सैकड़ों लोगों के मारे जाने की आशंका है। हम बेहद दबाव में हैं।' भूकंप के बाद करीब छह झटके महसूस किए गए। गृह मंत्री सुलेमान सोयलू ने लोगों से क्षतिग्रस्त इमारतों में जाने से बचने को कहा है।

फिर टल गया एमसीडी मेयर का चुनाव

» प्रोटेम स्पीकर का ऐलान- मनोनीत पार्षद करेंगे वोट

» सदन अगली तारीख तक के लिए स्थगित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में मेयर, डिप्टी मेयर और स्टैंडिंग कमेटी के छह सदस्यों का चुनाव फिर टल गया है। ऐसा तीसरी बार हुआ जब दिल्ली के लोगों को अपना मेयर मिलने में अभी देरी है। इससे पहले प्रोटेम स्पीकर सत्या शर्मा ने ऐलान किया कि एमसीडी मेयर, डिप्टी मेयर, स्टैंडिंग कमेटी सदस्यों के चुनाव में मनोनीत पार्षद भी वोट करेंगे।

जिस पर आम आदमी पार्टी ने आपत्ति जाहिर की। जिस पर बीजेपी की तरफ से नारे लगाए जाने लगे। उधर आप ने आरोप लगाया थ कि बीजेपी आज भी मेयर चुनाव नहीं होने देगी। आज होने वाले चुनाव को लेकर पार्षदों ने एमसीडी की पीठासीन अधिकारी को चिट्ठी लिखकर मांग की है कि मनोनीत पार्षदों को मेयर चुनाव से बाहर रखा जाए। उनके मुताबिक- संविधान में मनोनीत पार्षदों को वोटिंग का अधिकार नहीं है। चिट्ठी में आप के 134 पार्षदों और एक निर्दलीय पार्षद समेत कुल 135 पार्षदों के दस्तख्त हैं।

आम आदमी पार्टी ने फैसले पर जताई आपत्ति

आम आदमी पार्टी ने जब पीठासीन अधिकारी के फैसले पर आपत्ति जताई तो बीजेपी पार्षद नारे लगाने लगे। मेयर, डिप्टी मेयर चुनाव में एल्डरमैन को वोटिंग अधिकार देने को लेकर आप के प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा, कि की बेईमानी सामने आ गई है। क्योंकि वो संविधान के खिलाफ मनोनीत सदस्यों को वोट करवा रहे हैं।

आप लोकतंत्र पर एक काला धब्बा : हरीश खुराना

बीजेपी नेता हरीश खुराना ने कहा अब आम आदमी पार्टी लोकतंत्र पर एक काला धब्बा बन चुकी है। बीजेपी नेताओं ने एमसीडी मसले पर मचे घमासान के बीच प्रेस कांफ्रेंस कर आप को घेरा। बीजेपी नेता वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आम आदमी पार्टी बौखलाई हुई है, उसके पार्षद दल मे फूट है वह इसलिए लगातार चुनाव टाल रही है और उनके नेता हमारे पार्षदों को सम्पर्क कर रहे हैं।

बीजेपी नेता धार्मिक वैज्ञानिक बन गए हैं : अखिलेश

» कहा-खुद बुराई करते हैं और दूसरा कुछ बोल दे तो उनपर आरोप लगा देते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। रामचरितमानस को लेकर छिड़ा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। धर्म को लेकर सियासत गरमाई हुई है। आगरा पहुंचे अखिलेश यादव ने बीजेपी पर धार्मिक हमला बोला। उन्होंने बीजेपी नेताओं को धार्मिक वैज्ञानिक बता दिया। अखिलेश यादव ने कहा कि हिंदू मान्यताओं में बंदरों को हनुमान जी कहा जाता है। बंदरों में हम हनुमान जी को देखते हैं और बीजेपी वाले उनकी नसबंदी करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे खुद बुराई करते हैं और दूसरा कुछ बोल दे तो उनपर आरोप लगा देते हैं।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव आगरा में एक शादी सामारोह में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। अखिलेश यादव ने कहा कि रामचरितमानस से उन्हें कोई शिकायत नहीं है, भगवान श्रीराम को वह भी मानते हैं, लेकिन जो गलत है वो गलत है। योगी जी मुख्यमंत्री होकर शायद भजन नहीं सुन पाते होंगे, लेकिन वे आज भी रोजाना एक घंटा भजन सुनते हैं। रामधारी सिंह दिनकर की किताब का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने लिखा था कि शुद्र होने पर दानवीर कर्ण ने कितना अपमानित होना पड़ा था। जब वह युद्ध करना चाहते थे और समारोह में शामिल होने जाते थे। समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी के लोग चमत्कारी और मायावी है वे पता नहीं कब क्या कर दें। उन्होंने कहा कि देश में जाति की समस्या 5 हजार साल पुरानी है। यह कभी नहीं बदल सकती है। डॉ. भीमराव आंबेडकर, डॉ. राममनोहर लोहिया ने जाति व्यवस्था के लिए लंबी लड़ाई लड़ी थी। शुद्र शब्द को मुख्यमंत्री योगी बेहतर तरीके से परिभाषित कर सकते हैं कि शुद्र क्या है। मैं उनसे जानता चाहता हूं कि वे मुझे बताएं कि शुद्र कौन हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा था कि सडक़ पर जानवर दिखाई नहीं देंगे, लेकिन ऐसा कोई दिन नहीं जाता है जब सांड से सड़क पर किसी की जान ना चली जाए। उन्होंने कहा कि जिन जानवरों की सुरक्षा करनी चाहिए उन्हें समाप्त किया जा रहा है। करोड़ों रुपये खर्च करके जानवरों की नसबंदी की जा रही है। जिनमें बंदर भी शामिल हैं जिनमें हम हनुमाजी को देखते हैं।

रामचरित मानस की चौपाई हटाएं : पल्लवी पटेल

लखनऊ। सपा की सहयोगी अपना दल (कमेरावादी) की नेता विधायक पल्लवी पटेल ने रामचरित मानस की चौपाई को हटाने की मांग करते हुए सपा एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य पर भी निशाना साधा है। वह चौपाई पर की जा रही आपत्ति को सही करार देती हैं, लेकिन देर से बोलने पर ऐतराज भी जताया है। पल्लवी पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास को गंगाजल से धुलवाना गलत है। लेकिन, स्वामी प्रसाद मौर्य ने उस वक्त इस पर सवाल क्यों नहीं उठाया, जब वह भाजपा में थे। अगर उन्हें इतना बुरा लगा था, तो नैतिकता के आधार पर पार्टी का साथ छोड़ देना चाहिए था। विधायक पल्लवी पटेल ने कहा कि रामचरितमानस की चौपाई में लिखा है ताड़ना के अधिकारी। मैं एक नारी हूं और हिम्मत है तो कोई मेरी ताड़ना करके दिखा तो दे। उन्होंने कहा कि ये सिर्फ मन में होता है। अगर आप में शक्ति है तो लिखी हुई बातें आप कभी भी गलत साबित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वह खुद स्त्री हैं, लेकिन ताड़ना करने का अधिकार, हिम्मत कोई नहीं रखता है। उन्होंने कहा कि दूसरे धर्म ग्रंथों की बात नहीं करती हैं। पल्लवी पटेल ने मायावती के ट्वीट पर जवाब दिया। कहा कि वह जिस गेस्ट हाउस कांड की बात कर रही हैं, वह बात पुरानी हो चुकी है। वह अबला नहीं हैं बल्कि देश की मजबूत राजनीतिज्ञ हैं। उन्होंने कहा कि शूद्र तो हम हैं ही, लेकिन शूद्र होने को कैसे लिया जाता है, यह मूल बात है।

अखिलेश को शूद्र नहीं मानती बीजेपी : भूपेंद्र

लखनऊ। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को शूद्र नहीं मानती है। रामचरितमानस की पंक्तियों को लेकर राजनीतिक विवाद शुरू होने पर अखिलेश यादव ने कहा था कि वह सदन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पूछेंगे कि शूद्र कौन-कौन हैं। भूपेंद्र यादव ने कहा कि यह सवाल अखिलेश यादव से पूछा जाना चाहिए। जातीय जनगणना कराने के बारे में भाजपा के स्टैंड को लेकर यह कहते हुए सीधा जवाब देने से परहेज किया कि भाजपा सबका साथ और सबका विकास के लिए प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य कह चुके हैं कि वह जातीय जनगणना का समर्थन करते हैं। इससे पहले भूपेंद्र यादव ने कहा कि कोविड के बाद देश की अर्थव्यवस्था ने फिर तेज रफ्तार पकड़ी है। एमएसएमई सेक्टर तेजी से बढ़ा है। केंद्र सरकार ने अनावश्यक औपचारिकताओं को समाप्त कर ईज आफ डूइंग बिजनेस की स्थितियों में सुधार लाकर तथा नई नीतियों को लागू कर देश में व्यावसायिक गतिविधियों के लिए सुखद वातावरण तैयार किया है।

बीजेपी में आकर फंस गया: राणे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र बीजेपी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री नारायण राणे हमेशा ही अपने बयानों की वजह से चर्चा में रहते हैं। उनके निशाने पर मुख्य रूप से उद्धव ठाकरे और उनका परिवार रहता है। कुछ दिन पहले राज्य के कोंकण इलाके में नारायण राणे और एक बयान दिया है। जो फिलहाल महाराष्ट्र की सियासत में चर्चा का विषय बना हुआ है।

राणे ने कहा कि उद्धव ठाकरे ने एक आंगनबाड़ी तो बनाई नहीं है। उल्टा कोंकण में आने वाले सभी विकास प्रोजेक्ट का विरोध जरूर किया है। राणे ने कहा कि मेरे ऊपर आरोप किए जा रहे हैं लेकिन मैं जब तक सह रहा हूं, तब तक ठीक है। एक बार मैंने बोलना शुरू किया तो सब कुछ बाहर आ जाएगा। उनका यहां रहना मुश्किल हो जाएगा। नारायण राणे ने कहा, मैं बीजेपी में आकर फंस गया हूं। यहां पर शांत दिमांग वाले लोग रहते हैं। इसलिए हमको भी वैसा ही दिखाना पड़ता है इसलिए मैं भी शांत हूं।

राणे ने कोकण को विकसित किया : देवेंद्र फडणवीस

इस दौरान महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पहले मंच पर भाषण दिया था। फडणवीस ने कहा कि आने वाले अगले लोकसभा और विधानसभा चुनाव में यहां से अपनी ही पार्टी के सांसद और विधायक होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कोंकण के चिपी एयरपोर्ट का श्रेय भी केंद्रीय मंत्री नारायण राणे को दिया जाना चाहिए। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कोंकण के लिए उद्धव ठाकरे ने कुछ भी नहीं किया है। जबकि नारायण राणे ने कोंकण के लिए क्या किया है, वह पूरी जनता जानती है। यहां की सड़कें, ट्रैफिक की समस्या निजात और मूलभूत सुविधाएं सब कुछ नारायण राणे की देन हैं। उद्धव ठाकरे ने तो रिफाइनरी का भी विरोध किया था। फडणवीस के बाद जब नारायण राणे मंच पर बोलने आये तब उन्होंने भी जमकर निशाना साधा।

जनता के विश्वास से खिलवाड़ कर रही मोदी सरकार : मायावती

अदाणी प्रकरण से भारत की छवि दांव पर

» कहा-गुरु रविदास के उपदेशों को मानते तो देश की हालत इतनी चिंताजनक नहीं होती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख ने संत रविदास जयंती पर कहा कि यदि गुरु रविदास के मानवतावादी उपदेशों पर अमल किया जा रहा होता तो देश की हालत इतनी चिंताजनक नहीं होती। उन्होंने मोदी सरकार को आड़े हाथों ले हुए कहा कि सरकार को जनता के विश्वास से खिलवाड़ कर रहि। मायावती ने अदाणी प्रकरण पर केंद्र सरकार को भी घेरा।

बसपा प्रमुख मायावती ने कहा है कि अदाणी प्रकरण से भारत की छवि दांव पर है, पर केंद्र सरकार इस मुद्दे को काफी हल्के में ले रही है। पूर्व सीएम ने कहा कि दुनिया में अपनी रैंकिंग जमाने वाले देश के व्यवसायी के कारण भारत का आर्थिक जगत हताश है। देश की अर्थव्यवस्था व आम जनजीवन पर भी इसका दीर्घकालीन प्रभाव पड़ने वाला है। फिर भी अन्य मामलों की तरह ही अदाणी प्रकरण पर भी सरकार ने सदन के माध्यम से देश की जनता को विश्वास में नहीं लिया, यह बेहद दुखद है।

2024 में बीजेपी सरकार को उखाड़ फेकेंगे : आजाद

वाराणसी। संत रविदास की 646वीं जयंती समारोह में शामिल होने के लिए आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद वाराणसी के सीरगोवर्धनपुर पहुंचे। संत रविदास की जन्मस्थली पर मत्था टेकने के बाद मीडिया से बातचीत में यूपी सरकार के कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। इसके साथ ही जातिगत जनगणना की वकालत करते हुए उन्होंने लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का दावा किया। इशारों में समाजवादी पार्टी और स्वामी प्रसाद मौर्य की सराहना की। चंद्रशेखर ने किसी का नाम तो नहीं लिया लेकिन कहा कि धार्मिक ग्रंथ में अगर कहीं कुछ गलत लिखा है तो उसे बदलने की मांग सही है। रामचरित मानस पर विवादित टिप्पणी से संबंधित सवाल पर उन्होंने ये जवाब दिया। कहा कि अब हमारे समाज के लोग भी बीएचयू और जेएनयू जैसे संस्थानों में पढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख का आरोप सही है। देश में ऐसे कई वाकए सामने आए हैं जब मंदिरों में जाने से रोका गया है। यूपी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि अनुसूचित व पिछड़ी जातियों और वंचितों को न्याय नहीं मिल रहा। इनके ऊपर कोई अपराध होता है तो पुलिस कार्रवाई नहीं करती।

सरकार की योजनाएं वोट बैंक के लिए नहीं : योगी

» मुख्यमंत्री ने रविदास मंदिर में टेका मत्था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार की योजनाएं वोट बैंक के लिए नहीं होती हैं। इन योजनाओं की मंशा समाज के स्वावलंबन की होती है। समाज जितना स्वावलंबी होगा, उतना ही आत्मनिर्भर होगा। लखनऊ में भाऊराव देवरस सेवा न्यास के महामना शिक्षण संस्थान बालिका छात्रावास का भूमि पूजन कर योगी ने कहा कि भारत में स्वावलंबन की परंपरा रही है। इसके पीछे यहां का समाज रहा है। आत्मनिर्भर समाज और ग्राम में शासन पर निर्भरता न्यूनतम थी। जब समाज आगे चलेगा, सरकार पीछे होगी तो समाज आत्मनिर्भर होगा।

जब सरकार आगे चलेगी, समाज पीछे चलेगा तो वह परावलंबी बनेगा। परावलंबी समाज सभी चीजों के लिए सरकार से उम्मीद करेगा। इस मौके पर योगी ने मेधावियों को सम्मानित भी किया। योगी ने संत रविदास जयंती पर वाराणसी में गोवर्धनपुर स्थित मंदिर में मत्था टेका। उन्होंने कहा कि मन चंगा तो कठौती में गंगा कहकर संत रविदास ने समाज को कर्म का बड़ा ही व्यापक संदेश दिया। सीएम ने पीएम नरेंद्र मोदी का भेजा शुभकामना संदेश भी पढ़कर सुनाया।

असम में बाल विवाह पर सियासी बवाल

धार्मिक रंग देने को लेकर वार-पलटवार

» भाजपा सरकार को विपक्ष ने घेरा

» गिरफ्तारियों के खिलाफ महिलाएं भी मैदान में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। असम सरकार ने बाल विवाह के खिलाफ जो सख्त अभियान चलाया है। उसने प्रदेश की सियासत को तो गरमा ही दिया है, लेकिन इसे धार्मिक रंग देने को लेकर वहां बवाल मचा हुआ है। असम राज्य की महिलाएं भी इन गिरफ्तारियों के खिलाफ उतर आई हैं। बाल विवाह करने वाले चार हजार से भी ज्यादा लोगों के खिलाफ केस दर्ज हो चुके हैं। इस कानून के तहत अब तक दो हजार से भी ज्यादा गिरफ्तारियां हो चुकी हैं, लेकिन आरोप ये लगाया जा रहा है कि सरकार की ये सारी कार्रवाई उन्हीं इलाकों में हो रही है, जहां मुस्लिमों की आबादी ज्यादा है, इसलिए सवाल ये उठ रहा है कि साल 2006 में बने बाल विवाह रोकथाम कानून को लागू करने के लिए क्या एक खास मजहब को ही टारगेट किया जा रहा है? हालांकि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा है कि जो मौलवी,काजी और पंडित इस तरह की शादियां करवाते हैं, उनके खिलाफ भी कार्रवाई हो रही है।

दरअसल, पिछले महीने ही असम कैबिनेट ने बाल विवाह के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने का फैसला किया था और सभी हितधारकों से इन मामलों में सहयोग मांगा था। इतना ही नहीं सरकार ने 14 साल से कम उम्र की लड़कियों से शादी करने वाले पुरुषों के खिलाफ पोस्को एक्ट के तहत कार्रवाई वाले प्रस्ताव को भी मंजूरी दी थी। वहीं, 14 से 18 साल से कम उम्र की लड़कियों से शादी करने वालों के खिलाफ बाल विवाह निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने का फैसला लिया गया था। गुरुवार को हिमंत बिस्वा सरमा ने ट्वीट कर बताया कि असम पुलिस ने राज्य में बाल विवाह के 4004 मामले दर्ज किए हैं। मैं सभी से सहयोग की अपील करता हूं, लेकिन पुलिस की कार्रवाई शुरु होने के पहले दिन से ही इस पर सवाल उठने शुरु हो गये हैं। इस कानून का शिकंजा उन विवाहित लोगों को भी कस रहा है,जिन्होंने सात साल पहले शादी की थी और जो अब वयस्क हो चुके हैं, कांग्रेस सांसद अब्दुल खालिक ने सरकार की नीयत पर सवाल उठाते हुए कहा है कि सरकार बाल विवाह के खिलाफ कार्रवाई करे वो ठीक है, लेकिन इस कानून की आड़ में 7 साल पहले शादीशुदा जोड़े जो कि अब एडल्ट हो गए हैं, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। यह सरासर गलत है।

एक तिहाई असमिया नवजात बच्चों का विकास अवरुद्ध

बड़ा सवाल ये है कि सरकार को बाल विवाह रोकने के लिये इतनी सख्त कार्रवाई करने पर आखिर मजबूर क्यों होना पड़ा? तो इसका जवाब भी सरकारी विभाग के आंकड़े ही देते हैं। सितंबर 2018 में प्रदेश के समाज कल्याण विभाग के आधिकारिक रिकॉर्ड के मुताबिक, असम की हर तीसरी शादी बाल विवाह है। इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह थी कि निचले असम के कम से कम सात प्रमुख जिलों में बाल विवाह का सामान्य विवाह से अनुपात 2.1 है। जिसका मतलब है कि इन जिलों में हर दूसरी शादी बाल विवाह है। हालांकि इस गड़बड़ी के लिए मुख्य रूप से मुस्लिम और चाय बागान में काम करने वाले समुदाय को ही दोषी ठहराया गया है, लेकिन सच ये है कि पिछले एक दशक में पूरे असम में ही बाल विवाहों की संख्या में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। राज्य के अधिकांश डॉक्टर मानते हैं कि बाल विवाह के कारण बच्चे कुपोषित होते हैं और एक तिहाई असमिया नवजात बच्चों का विकास ही अवरुद्ध हो जाता है, यानी उम्र बढ़ने के साथ भी उनका उचित विकास नहीं हो पाता है. दरअसल, हाल ही में नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे ने एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसके अनुसार, असम में मातृ और शिशु मृत्यु दर बहुत अधिक है. इसके लिए भी बाल विवाह को ही जिम्मेदार ठहराया गया।

मुख्यमंत्री सरमा ने ठहराया जायज

मुख्यमंत्री सरमा ने राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर साल 2019-20 के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 की मौजूदा रिपोर्ट का हवाला देते हुए सरकार की इस कार्रवाई को जायज ठहराया है। उनके मुताबिक असम में 11.7 प्रतिशत महिलाएं ऐसी हैं, जिन्होंने कम उम्र में माँ बनने का बोझ उठाया है। इसका मतलब यह है कि असम में बाल विवाह अब भी बड़ी तादाद में हो रहे हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार धुबरी जिले में 22 फीसदी लड़कियों की न केवल कम उम्र में शादी हुई है, बल्कि वे मां भी बनी हैं। राज्य सरकार ने निचले असम के जिन जिलों में बाल विवाह के ज्यादा मामले होने के आंकड़े दिए है, उन इलाकों में बंगाली मूल के मुसलमान समुदाय की आबादी ज्यादा है। इसके अलावा चाय बागान में काम करने वाली जनजाति और कुछ अन्य जनजातियों में भी बाल विवाह के मामले अधिक देखने को मिले हैं। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, असम की कुल जनसंख्या 3 करोड़ 10 लाख है। इसमें मुसलमानों की जनसंख्या लगभग 34 प्रतिशत है, जबकि चाय जनजातियों की जनसंख्या का 15-20 प्रतिशत होने का अनुमान है। ऐसे में चाय जनजाति वाले जोरहाट और शिवसागर जिले में भी 24.9 प्रतिशत लड़कियों की शादी 14 साल से कम उम्र में हुई है।

ओवैसी ने पूछा- शादीशुदा लड़कियों का क्या होगा

हैदराबाद से लोकसभा सांसद और एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा रकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि जिनकी शादी हुई है उन लड़कियों का क्या कुसूर है। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि असम में बीजेपी की सरकार है और ये फेलियर सरकार है, ये स्कूल नहीं खोलते पर मदरसों को तोड़ते हैं, उन्होंने वहां बाल विवाह कानून का उल्लंघन करने वाले के खिलाफ हो रही कार्रवाई को लेकर कहा कि जिनकी शादी हुई उनकी देखभाल कौन करेगा, लड़की का क्या कुसूर है। उन्होंने कहा कि जिस लड़की की शादी हो चुकी है। उसका आप क्या करोगे। एआईएमआईएम चीफ ओवैसी ने कहा कि असम सरकार मुस्लिमों के लिए बायस्ड है। दरअसल असम में बाल विवाह के खिलाफ बड़े स्तर पर कार्रवाई की गई। सूबे की पुलिस ने शुक्रवार (3 फरवरी) को अवैध करार दी गई शादियां करवाने वाले हिंदू और मुस्लिम पुजारियों सहित 2,044 लोगों की गिरफ्तारी की है।

त्रिपुरा में चुनावी बयार में आई तेजी

» भाजपा-कांग्रेस-लेफ्ट का जनता के दरबार में जाना शुरू

» 16 फरवरी को है वोटिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे पूर्वोत्तर के तीन राज्यों त्रिपुरा, नागालैंड व मेघालय में चुनावों की तारीख नजदीक आ रही हैं भाजपा, कांग्रेस, लेफ्ट समेत वहां के सभी दल पूरी ताकत के साथ जनता के बीच जाना शुरू कर चुके हैं। सबसे ज्यादा तेजी त्रिपुरा में देखने को मिल रही है। उत्तर पूर्वी राज्य त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

इसी के तहत भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा त्रिपुरा में जनसभाएं कर रहे हैं। नड्डा ने अमरपुर में एक रैली की। इस दौरान उन्होंने विरोधी दलों पर जमकर वार किया। नड्डा ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने त्रिपुरा की तस्वीर और तकदीर को बदल डाला है। ये बदला हुआ त्रिपुरा है। प्रधानमंत्री जी को पूर्वोत्तर भारत की विशेष चिंता है और हम इस क्षेत्र के विकास हेतु प्रतिबद्ध हैं। इस रैली में भारी संख्या में आपका जुटना ये संदेश दे रहा है कि त्रिपुरा विकास के पथ पर आगे बढ़ चुका है और अब ये नहीं रुकेगा।

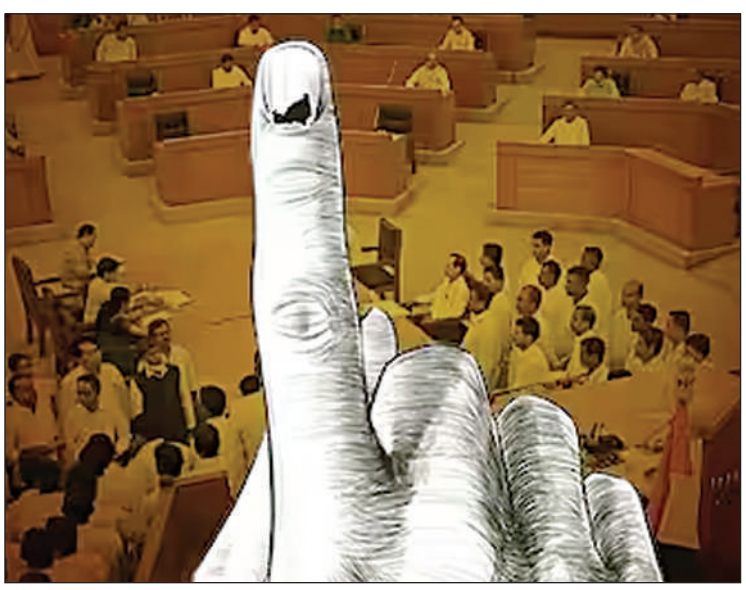

नड्डा ने विरोधियों पर हमला करते हुए कहा कि आज से 9 साल पहले भारत कैसा था? घुटने टेकने वाला भारत था, फैसला नहीं ले सकने वाला भारत था, भ्रष्टाचार करने वाले देशों में शुमार था, जहां आए दिन घोटाले होते रहते थे। मोदी जी के नेतृत्व में बीते 9 साल में भारत आकांक्षाओं का देश बन गया, छलांग लगाने वाला देश बन गया और दुनिया में खुद को स्थापित करने वाला मजबूत राष्ट्र बन गया। नड्डा ने अमरपुर से विजय संकल्प यात्रा की शुरुआत की। इसके साथ ही पार्टी का चुनाव अभियान आज शुरू हो गया है। नड्डा आगामी चुनावों के लिए पार्टी की रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए राज्य के शीर्ष नेताओं की बैठक भी करेंगे।इससे पहले, राज्य के सीएम माणिक साहा ने गुरुवार को राजधानी अगरतला में घर-घर जाकर प्रचार जाकर किया। इस दौरान साहा ने कहा, जनता की भलाई के लिए राज्य में केंद्र सरकार की कई परियोजनाओं और योजनाओं को लागू किया गया है। जनता को इन योजनाओं का लाभ भी मिला है। हमें उम्मीद है कि वे फिर से भाजपा के पक्ष में मतदान करेंगे। त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने पूरी तरह से कमर कस ली है। जीत के लिए भाजपा ने अपने वरिष्ठ नेताओं, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को मैदान में उतारना शुरू कर दिया है।

लेफ्ट फ्रंट ने जारी किया घोषणा पत्र

त्रिपुरा में विपक्षी लेफ्ट पार्टी ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इस घोषणा पत्र में ढाई लाख नई नौकरियों का वादा किया गया है, साथ ही पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की बात भी कही गई है। सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले लेफ्ट फ्रंट ने अपना घोषणा पत्र जारी किया। जिसमें उक्त घोषणाओं के साथ ही सरकारी कर्मचारियों को हर साल दो डीए बढ़ोतरी देने का वादा भी किया है। 15 पेज के अपने घोषणा पत्र में लेफ्ट फ्रंट ने 10,323 छंटनी शिक्षकों की बहाली, संविदा कर्मचारियों को नियमित करने और आदिवासी परिषद को अधिक स्वायत्तता देने का वादा किया गया है। लेफ्ट फ्रंट के संयोजक नारायण कार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सत्ताधारी भाजपा पर त्रिपुरा में लोकतंत्र को कुचलने का आरोप लगाया। लेफ्ट ने वादा किया है कि 60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को, जिनकी सालाना आय एक लाख रुपए से कम है, उन्हें लेफ्ट ने पेंशन देने का एलान भी किया है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

विदेशी न्यायाधीशों को भाती है भारतीय न्याय व्यवस्था

भारत की न्याय प्रकिया पूरी दुनिया में सराही जाती है। यहां पर संविधान ने न्यायपालिका को असीमित अधिकार दिया है। संसार के कई देश यहां की न्यायिक प्रक्रिया को अपने यहां मिशाल के तौर पर भी प्रयोग में लाते हैं। इसी के तहत सुप्रीम कोर्ट की 73वीं वर्षगाठ में मुख्य अतिथि के रुप में सिंगापुर के मुख्य न्यायाधीश भारत आए। उन्होंने 3 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट जाकर वहां काम करने के तरीके को बारीकी से देखा। ये भारतीय न्यायिक व्यवस्था के लिए गौरव की बात है। इससे पहले 2020, 12 में विदेशों के न्यायाधीश भारत के कोर्ट्स में आ चुके हैं। सिंगापुर के मुख्य न्यायाधीश सुंदरेश मेनन इस वर्ष के व्याख्यान बदलती दुनिया में न्यायपालिका की भूमिका विषय पर अपने विचार रखा। उन्होंने कहा कि हमें सहजता से न्याय देने के लिए आधुनिकीकरण करना चाहिए क्योंकि दुनिया बहुत बदल गई है। उन्होंने कहा कि जब न्यायपालिका अच्छी तरह से काम करती है तो यह सभी को एकजुट करने में गोंद का काम करती हैं। न्यायमूर्ति मेनन ने उन विभिन्न चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला, जिनका दुनिया भर की न्यायिक प्रणाली सामना कर रही है या भविष्य में सामना करेगी। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों को सार्वजनिक संचार का सम्मान करना चाहिए क्योंकि यह सामाजिक और आर्थिक संरचनाओं को लिखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सिंगापुर के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुंदरेश मेनन ने 3 फरवरी को भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के साथ सर्वोच्च न्यायालय की कार्यवाही भी देखी। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने भारतीय मूल के न्यायमूर्ति मेनन का स्वागत किया। सिंगापुर के सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुंदरेश मेनन ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। जस्टिस मेनन सिंगापुर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश हैं। उन्हें 2012 में सुप्रीम कोर्ट के चौथे मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। वो पहले सिंगापुर के अटॉर्नी जनरल थे। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर के स्नातक किया है। उनके पास सीजेआई चंद्रचूड़ की तरह हार्वर्ड लॉ स्कूल से लॉ में मास्टर डिग्री भी है। 26 जनवरी 1950 को भारत गणराज्य बनने के दो दिन बाद 28 जनवरी को भारत का सर्वोच्च न्यायालय अस्तित्व में आया। भारत और सिंगापुर के मुख्य न्यायाधीश कानूनी और न्यायिक शिक्षा के क्षेत्र में ज्ञान-साझाकरण की संभावनाओं और न्याय के कारण को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग के साथ-साथ दो न्यायपालिकाओं के बीच आगे सहयोग की संभावना पर चर्चा करने की योजना बना रहे हैं। जस्टिस मेनन को सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही देखने के लिए आमंत्रित किया गया था।

2012 में पूर्व सीजेआई एसएच कपाड़िया ने इंडो-ब्रिटिश लीगल फोरम के हिस्से के रूप में यूनाइटेड किंगडम का दौरा किया था, जिसकी सह-मेजबानी आरटी द्वारा की गई थी। लंदन के पार्लियामेंट स्क्वायर पर सुप्रीम कोर्ट में 18-20 जून के बीच इंग्लैंड और वेल्स के लॉर्ड चीफ जस्टिस नजर आए थे। पूर्व मुख्य न्यायाधीश एसएच कपाड़िया के साथ सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अल्तमस कबीर और डीके जैन जैसे वरिष्ठ भारतीय न्यायाधीश भी थे। भारत के अटॉर्नी जनरल गुलाम ई वाहनवती और सीजेआई के निजी सचिव एचके जुनेजा ने भी इस फोरम में भाग लिया, जिसमें न्यायिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ-साथ अन्य सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय मुद्दों पर चर्चा हुई थी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मीथेन नियंत्रण से रुकेगी ग्लोबल वार्मिंग

मुकुल व्यास

दुनिया में मीथेन गैस का लगातार बढ़ता हुआ उत्सर्जन चिंताजनक है क्योंकि यह एक ऐसी ग्रीनहाउस गैस है जिसकी वायुमंडल में उपस्थिति पृथ्वी के तापमान को प्रभावित करती है। मीथेन पृथ्वी के वातावरण में गर्मी को रोकती है। दिन के दौरान सूर्य वायुमंडल के माध्यम से चमकता है और ग्रह की सतह को गर्म करता है, जबकि रात में सतह से ठंडी हो जाती है और हवा में गर्मी वापस छोड़ देती है। बहरहाल, ग्रीनहाउस गैसें इस गर्म हवा में से कुछ को वायुमंडल में रोक सकती हैं जिसके परिणामस्वरूप ग्रह गर्म हो जाता है। मनुष्यों के कारण होने वाली ग्लोबल वार्मिंग का लगभग एक-चौथाई से एक-तिहाई का स्रोत मीथेन है। वायुमंडल में गर्मी को रोकने में मीथेन कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में 80 गुणा अधिक शक्तिशाली है।

कार्बन डाइऑक्साइड सदियों तक हवा में बनी रहती है लेकिन मीथेन का वायुमंडलीय जीवनकाल लगभग एक या दो दशक का ही होता है। इसका मतलब यह है कि मीथेन उत्सर्जन में कमी लाकर वायुमंडलीय वार्मिंग को धीमा किया जा सकता है। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का कारगर तरीके से मुकाबला करने के लिए इस गैस के स्रोतों का अंदाज लगाना जरूरी है। कार्बन मैपर नामक एक गैर-लाभकारी संगठन ने मीथेन उत्सर्जन के स्रोतों का पता लगाने के लिए अपशिष्ट स्थलों के सर्वेक्षण करने की योजना बनाई है। इसके लिए वह नासा के एमिट (अर्थ सरफेस मिनरल डस्ट सोर्स इन्वेस्टिगेशन) मिशन के साथ-साथ वर्तमान हवाई उपकरणों के डेटा का उपयोग करेगा। भविष्य में छोड़े जाने वाले उपग्रहों के उपकरणों से भी आंकड़े एकत्र किए जाएंगे। नासा के एमिट उपकरण और अन्य वैज्ञानिक उपकरण अपशिष्ट स्थलों से मीथेन के उत्सर्जन के वैश्विक सर्वेक्षण का हिस्सा होंगे। ध्यान रहे कि एमिट उपकरण ने दुनिया भर में 50 से अधिक 'सुपर-एमिटर' क्षेत्रों की पहचान की है जो अभूतपूर्व स्तर पर मीथेन छोड़ रहे हैं। शीर्ष दोषियों में तुर्कमेनिस्तान, ईरान, न्यू मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। मीथेन सुपर-एमिटर के उदाहरणों में तुर्कमेनिस्तान के बंदरगाह शहर हजार के निकट स्थित तेल और गैस प्रतिष्ठान से मीथेन के 12 गुबारों का समूह शामिल है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि ये गुबार सामूहिक रूप से 50,400 किलोग्राम प्रति घंटे की दर से मीथेन उगलते हैं। एक और अन्य बड़ा उत्सर्जक न्यू मैक्सिको में पर्मियन घाटी तेल क्षेत्र है जो दुनिया के सबसे बड़े तेल क्षेत्रों में से एक है। इसने

लगभग 3.3 किमी लंबा गुबार उत्पन्न किया। नासा के अनुसार मीथेन का तीसरा बड़ा अपराधी तेहरान के दक्षिण में एक अपशिष्ट-प्रसंस्करण परिसर है जो कम से कम तीन 4.8 किलोमीटर लंबा गुबार उत्सर्जित करता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पर्मियन साइट पर मीथेन की प्रवाह दर लगभग 18,300 किलोग्राम प्रति घंटे और ईरान साइट पर 8,500 किलोग्राम प्रति घंटे है। नासा के अधिकारियों ने कहा कि इनमें से किसी भी स्थल के बारे में वैज्ञानिकों को पहले से जानकारी नहीं थी। कार्बन मैपर की नई पहल का उद्देश्य मीथेन का उच्च दरों पर उत्सर्जन करने वाले अपशिष्ट स्थलों का मूल्यांकन करना है। यह जानकारी निर्णय लेने वाले निकायों और अधिकारियों की मदद कर सकती है जो वायुमंडल में गैस की मात्रा को कम करने और जलवायु परिवर्तन को सीमित करने के लिए प्रयत्नशील हैं। अपशिष्ट क्षेत्र द्वारा उत्पादित मीथेन मानव निर्मित मीथेन उत्सर्जन में अनुमानित 20 प्रतिशत योगदान देती है। इस समय दुनिया के अपशिष्ट क्षेत्र से मीथेन उत्सर्जन के बारे में कार्रवाई योग्य जानकारी बहुत सीमित है। अपशिष्ट स्थलों से उच्च-उत्सर्जन स्रोतों की व्यापक समझ गैस के स्रोतों को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नई तकनीकी क्षमताओं से इन उत्सर्जनों को देखना और इन्हें कार्रवाई योग्य बनाना संभव हो गया है। कार्बन मैपर की परियोजना के तहत इस वर्ष अमेरिका और कनाडा के अलावा लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और एशिया के 1000 से अधिक लैंडफिल का एक प्रारंभिक रिमोट-सेंसिंग सर्वेक्षण किया जाएगा । इन क्षेत्रों से डेटा एकत्र करने के लिए शोधकर्ता विमान-आधारित सेंसर का उपयोग करेंगे। इनमें नासा की जेट प्रोपल्शन प्रयोगशाला (जेपीएल) में विकसित विशेष इमेजिंग स्पेक्ट्रोमीटर शामिल है। इसके अलावा वे एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी की ग्लोबल एयरबोर्न ऑब्जर्वेटरी का उपयोग करेंगे। कार्बन मैपर प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में शोधकर्ता एमिट से प्राप्त मीथेन डेटा का भी विश्लेषण करेंगे। पृथ्वी के प्रमुख धूल उत्पादक क्षेत्रों की सतह पर खनिज सामग्री को मापने के उद्देश्य से जुलाई, 2022 में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर इमेजिंग स्पेक्ट्रोमीटर स्थापित किया गया था। एमिट स्पेक्ट्रोमीटर पृथ्वी से परावर्तित सौर ऊर्जा को मापता है। इसका मुख्य उद्देश्य हवा में मौजूद धूल और जलवायु परिवर्तन पर उसके प्रभावों का अध्ययन करना है।

अभिव्यक्ति की जीत है कप्पन की रिहाई

अरुण नैथानी

आखिरकार बीते गुरुवार को 28 माह की जेल के बाद एक मलयालम न्यूज वेबसाइट के पत्रकार सिद्दीक कप्पन को लखनऊ की जिला जेल से रिहा कर दिया गया। उन्हें पांच अक्टूबर, 2020 में तब गिरफ्तार कर लिया गया था जब वे उत्तर प्रदेश के बहुचर्चित हाथरस गैंगरेप मामले में पीड़िता के घर जा रहे थे। उत्तर प्रदेश सरकार का आरोप था कि वह सिर्फ पत्रकार की भूमिका में नहीं थे बल्कि केरल में सक्रिय प्रतिबंधित संगठन पीएफआई के लिये सक्रिय थे और हाथरस मामले को उछालने के लिये उन्हें विदेशों से पैसा भेजा गया था। उनके साथ दो अन्य आंदोलनकारी छात्रों को भी गिरफ्तार किया गया था। दरअसल, एक माह पूर्व उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट से मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत मिली थी। उल्लेखनीय है कि अन्य मामलों में बीते साल सुप्रीम कोर्ट से उन्हें जमानत मिल गई थी, लेकिन मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उन्हें जमानत नहीं मिल पायी थी। कालांतर में बीते दिसंबर में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जमानत देते हुए उनके खाते में विदेशी धन ट्रांसफर होने की बात से इनकार किया था।

बहरहाल, कप्पन की गिरफ्तारी का लंबा विवाद चला। इस प्रसंग में पत्रकार, सरकार की कार्रवाई, सुप्रीम कोर्ट तथा स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार पर राष्ट्रव्यापी बहस चलती रही है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश सरकार का दावा रहा है कि जिस अखबार का रिपोर्टर होने का दावा कप्पन करते हैं वह साल 2018 में बंद हो चुका है। वहीं सिद्दीक कप्पन का कहना है कि वह मलयालम भाषा की न्यूज वेबसाइट अजीमुखम के लिये काम करते हैं और केरल वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के दिल्ली सचिव हैं। दरअसल, उनकी गिरफ्तारी के बाद कई पत्रकार संगठन भी सक्रिय थे। कालांतर में यह मुद्दा दो राज्यों के बीच विवाद का विषय बन गया। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने इस मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर इस मामले में दखल देने का आग्रह करते हुए कहा था कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है और उनके साथ मानवीय व्यवहार किया जाये।

साथ ही उन्होंने कप्पन को सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में स्थानांतरित करने की मांग की थी। उनका कहना था कि केरल के सामान्य लोग व पत्रकार बिरादरी कप्पन की स्थिति और उसके मानवाधिकारों को लेकर चिंतित हैं। केरल यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट ने भी कप्पन को दिल्ली स्थानांतरित करने की मांग की थी। इस संगठन ने मांग की थी कि इतना ही नहीं, केरल के पत्रकारों ने सुप्रीम कोर्ट से दखल की मांग करते हुए मामले में सुप्रीम कोर्ट में हेबियस यानी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल की थी, जिसमें उनके गिरकर चोटिल होने तथा कालांतर में कोरोना पीड़ित होने पर चिंता जाहिर की थी। इसके अलावा केरल के ग्यारह सांसदों ने भी तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर कप्पन की तत्काल रिहाई की मांग की थी। उल्लेखनीय है कि कप्पन और उनके तीन साथियों पर यूएपीए के अंतर्गत आरोप लगाये गये थे। उ.प्र. पुलिस की दलील थी कि कप्पन के चरमपंथी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया से संबंध रहे हैं। प्राथमिकी में भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के अंतर्गत राजद्रोह, धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों में शत्रुता को बढ़ावा देने, धार्मिक भावनाओं का अपमान करने एवं दुर्भावनापूर्ण ढंग से लोगों को उकसाने के आरोप लगाये थे।

इसके चलते उन पर गैरकानूनी रोकथाम अधिनियम यानी यूपीए और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। साथ ही चार्जशीट में आरोप लगाया गया कि आरोपियों ने दोहा व मस्कट स्थित वित्तीय संस्थानों से प्राप्त अस्सी लाख रुपये के जरिये प्रदेश में अशांति फैलाने का प्रयास किया। इसके अलावा आरोप लगा कि कप्पन के लेपटॉप व मोबाइल से संवेदनशील जानकारी मिली है। वहीं कप्पन का कहना है कि हाथरस ही नहीं, वे कश्मीर व अन्य स्थानों पर रिपोर्टिंग करने के लिये ग्राउंड जीरो पहुंचते रहे हैं। हाथरस में बड़ी घटना थी बलात्कार व हिंसा की शिकार लड़की के शव का उसके परिजनों की इच्छा के विरुद्ध दाह-संस्कार कर दिया गया था। कप्पन कहते हैं कि हम सरकारी प्रवक्ता नहीं हैं कि सरकार जो कहे, हम वही लिखें। हम पत्रकारिता में हैं तो हमारे मोबाइल में तमाम सामाजिक व राजनीतिक संगठनों के नेताओं के फोन नंबर होते हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि हम उन संगठनों के सदस्य हैं। मैं आरोपों को गलत साबित करने के लिये आगे भी लड़ाई लड़ूंगा।

आरोप है कि कप्पन के कोरोना पीड़ित होने पर हथकड़ी के साथ अस्पताल में रखा गया। वहीं पुलिस अधिकारी दावा करते हैं कि वे सिर्फ सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में थे। यही वजह है कि कप्पन की पत्नी ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर कहा था कि जिस ढंग से उन्हें अस्पताल में रखा गया, उससे उनके जीवन पर संकट आ सकता है। हालांकि उन्हें बीच में बीमार मां को देखने के लिये पांच दिन की बेल जरूर मिली थी। जेल से बाहर आने के बाद कप्पन ने कहा कि उन्हें जेल के भीतर पढ़ने-लिखने में खासी दिक्कत हुई। उन्हें मलयालम और अंग्रेजी की पुस्तकें उपलब्ध नहीं कराई गई। उन्हें केवल हिंदी की ही पुस्तकें मिल सकीं। उनकी दलील है कि उनके खिलाफ जो आरोप लगाये गये हैं उसके लिये किसी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। मैं आरोपों के खिलाफ लड़ाई लड़ूंगा। दरअसल, मीडिया की आजादी के इतर बहस इस बात पर भी होती रही है कि संवैधानिक संस्थाएं व्यक्तिगत आजादी की सुरक्षा की गारंटी क्यों नहीं देती। इसमें व्यक्ति की निजी आजादी का प्रश्न भी शामिल है।

इन आसान तरीके से स्ट्रांग और सेल्फ डिपेंडेंट बनेगी बेटी

बेटियों को स्ट्रॉन्ग और सेल्फ डिपेंडेंट बनाना अमूमन सभी पैरेंट्स का सपना होता है, लेकिन देखा जाता है कि ज्यादातर बेटियां पिता के काफी क्लोज होती हैं। ऐसे में पिता अक्सर बेटियों की सुरक्षा को लेकर परेशान रहते हैं और उन्हें सेफ रखने की हर मुमकिन कोशिश भी करते हैं। अगर आप भी बेटी के पिता हैं तो कुछ खास तरीकों से बेटी को सपोर्ट करके आप उसे मजबूत और आत्मनिर्भर बना सकते हैं।

खुद से प्यार करना सिखाएं

बेटी को दूसरों के बारे में सोचने से पहले खुद से प्यार करना सिखाएं। ऐसे में लड़कियों को अपनी काबिलियत का अहसास होता है और वो खुद को किसी से कम नहीं आंकती हैं।

फिटनेस टिप्स दें

लड़कियों को स्ट्रॉन्ग बनाने के लिए उन्हें बचपन से ही स्पोर्ट और फिटनेस के प्रति जागरूक करें। ऐसे में बच्ची को फेवरेट स्पोर्ट खेलने के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही उसे हर रोज फिजिकल एक्टिविटी करने की सलाह दें।

बड़े सपने देखने की दें सलाह

बेटी को बचपन से ही बड़े सपने देखने के लिए प्रोत्साहित करें, जिससे बेटी का मनोबल बढ़ने लगेगा और वो खुद को अत्मनिर्भर बनाने की तरफ अग्रसर रहेगी।

साथ में समय बिताएं

बेटी के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताकर आप उन्हें बेहतर तरीके से जान सकते हैं। जिससे आपको न सिर्फ बेटी को मोटिवेट रखने में मदद मिलेगी बल्कि आप बच्ची का सही मार्गदर्शन भी कर सकेंगे।

बच्ची पर रखें विश्वास

बच्ची को मोटिवेटेड रखने के लिए पिता का अपनी बच्ची पर विश्वास करना जरूरी होता है। जिससे बेटी का कॉन्फीडेंस बूस्ट होता है और उसकी क्षमताओं का भी विकास होने लगता है।

केयर करना सिखाएं

पिता अपनी बेटी को खुद की देखभाल करना भी सिखा सकते हैं, जिससे आपकी बच्ची को छोटे-छोटे कामों के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। साथ ही वो अपना ख्याल खुद रखने में भी सक्षम रहेगी।

मुकाबले से रखें दूर

बेटी को दूसरों से मुकाबला करने की सलाह बिल्कुल न दें। वहीं बेटी को सभी की मदद करना सिखाएं। जिससे बेटियां हेल्पिंग और हैप्पी पर्सनालिटी बन कर उभरेंगी।

डिसीजन मेकिंग स्किल्स सिखाएं

बच्ची को स्ट्रांग और सेल्फ डिपेंडेंट बनाने के लिए उनमें डिसीजन मेकिंग स्किल्स डेवेलप करना जरूरी होता है। ऐसे में बच्ची के छोटे-छोटे फैसलों की रिस्पेक्ट करें और उनके डिलीजन को नजरअंदाज करने की गलती बिल्कुल न करें।

हंसना मना है

एक चूहा शराब के गिलास में गिर गया... वहां से एक बिल्ली गुजर रही थी। चूहे ने बिल्ली से कहा: मुझे यहां से बाहर निकाल दो, फिर चाहे मुझे खा लेना। बिल्ली ने गिलास में लात मारी और गिलास गिरा दिया। चूहा निकलकर भागा और बिल में घुस गया। बिल्ली बोली: झूठे, धोखेबाज, तुम तो कह रहे थे मुझे निकाल दो, फिर चाहे बेशक मुझे खा लेना। चूहा मुस्कुराया और बोला: नाराज मत होना, उस वक्त मैं नशे में था।

आज पता चल गया: साली आधी घरवाली इस मुहावरे का अर्थ साली जीजा से, साली आधी घरवाली इस मुहावरे का अर्थ बताओ? जीजा: ये वो स्कीम है जो दूल्हे को बताई जाती है, लेकिन दी नहीं जाती।

गर्लफ्रेंड: मैं अपना पर्स घर पर भूल आई, मुझे 1000 रुपये की जरूरत है। बॉयफ्रेंड: कर दी न छोटी बात, पगली यह ले 10 रुपये। अभी रिक्शा करके घर जा और पर्स ले आ। गर्लफ्रेंड बेहोश

पप्पू पर बिजली का तार गिर गया। पप्पू तड़प-तड़प के मरने ही वाला था कि अचानक... उसे याद आया बिजली तो 2 दिन से बंद है। वापस उठकर, हंसते हुए बोला, साला याद नहीं आता तो मर ही जाता!

कहानी | माँ-पापा का कहना मानो

सर्दियों का मौसम था। नन्हे खरगोश के घर को चारों ओर घास-फूस लगाकर गर्म रखा जाता था। रात होने वाली थी। नन्हे खरगोश के मम्मी-पापा ने उससे कहा, आ जाओ नन्हे, सो जाओ। रात होने वाली है और बाहर ठंड भी बहुत है। लेकिन मुझे नींद नहीं आ रही। मुझे बाहर जाकर खेलना है। नन्हे ने कहा। बेटा, कल सुबह खेल लेना। रात में बाहर जाओगे तो बीमार हो जाओगे। मम्मी ने उसे समझाया। मम्मी की बात मानकर नन्हे आकर लेट गया। लेकिन उसे जरा भी नींद नहीं आ रही थी। वह थोड़ी देर लेटा। फिर मम्मी-पापा से छिपकर बाहर आ गया और जंगल में घूमने निकल पड़ा। वह चलता जा रहा था। इस तरह कभी भी वह जंगल की ओर नहीं आया था। लेकिन वह रास्ता ध्यान से देख रहा था। मिट्टी में उसके पाँवों के छोटे-छोटे निशान बनते जा रहे थे। इनकी मदद से मैं घर वापिस पहुँच जाऊँगा, उसने सोचा। वह काफी दूर आ गया था। तभी जोर से आँधी चलने लगा। वापिस जाने का रास्ता उसके पाँवों के वो निशान ही बता सकते थे। लेकिन तेज आँधी ने इतनी धूल उड़ाई थी कि निशान मिट गए थे। वह घबराकर इधर-उधर भागने लगा। उसे समझ नहीं आ रहा थी कि क्या करें ? नन्हे बहुत दर गया था। दौड़ते-दौड़ते उसने यह भी नहीं देखा कि आगे तालाब है। और फिर छपाक से तालाब में गिर गया। वह मदद के लिए चिल्लाने लगा। एक हिरण और उसका बच्चा वहाँ से जा रहे थे। उन्होंने नन्हे खरगोश को मुश्किल में देखा तो रुक गए। उन्होंने किसी तरह खरगोश को बाहर निकाला। वह ठंड से काँप रहा था। हिरन जल्दी से नन्हे को अपने घर ले गया। घर जाकर हिरण की मम्मी ने उसे अपनी गोद में लपेट लिया और दूध पीने को दिया। अब नन्हे को अच्छा लग रहा था। लेकिन उसको अब घर की याद आने लगी थी। हिरन ने उससे घर के बारे में पूछा तो नन्हे ने बताया कि उसे ठीक से पता नहीं है। इधर नन्हे की मम्मी-पापा परेशान थे कि नन्हे कहाँ गया। वे उसे ढूंढने निकल पड़े। हिरन भी नन्हे को लेकर जंगल में निकला। रास्ते में ही नन्हे के मम्मी-पापा उसे दूर से आते हुए दिखाई दिए। दौड़कर नन्हे के पास आए और उसे गले से लगा लिया। कहाँ चले गए थे तुम? मम्मी रो रही थी। ऐसे बिना बताए थोड़े ही जाते हैं। पापा बोले। नन्हे ने उनसे माफी माँगी। नन्हे के मम्मी-पापा ने हिरण को धन्यवाद दिया और नन्हे को साथ घर की ओर चल दिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

वृषभ

वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन

शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क

लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

सिंह

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

कन्या

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

तुला

धनार्जन सुगम होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

वृश्चिक

नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है।

धनु

बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी।

मकर

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है। तनाव रहेगा।

कुम्भ

कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

मीन

धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी।

कंगना रनौत ने सिद्धार्थ और कियारा की जोड़ी को सराहा

आज सूर्यगढ़ पैलेस में लेंगे सात फेरे

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। 6 फरवरी को दोनों शादी करने वाले हैं। उनकी शादी राजस्थान के जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में होगी। इस बीच बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौतन ने सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की तारीफ करते हुए उन्हें बॉलीवुड का शानदार कपल बताया है। कंगना रनौत सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह सोशल मीडिया पर अक्सर कुछ न कुछ पोस्ट शेयर करती रहती हैं। हाल ही में कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी का एक वीडियो शेयर करते हुए कपल की तारीफ की है। उन्होंने कैप्शन में लिखा-यह जोड़ी बेहद शानदार है, फिल्म इंडस्ट्री में शायद ही हमें कभी सच्चा प्यार देखने को मिलता है। दोनों एक साथ खूबसूरत दिखते हैं। कंगना रनौत का यह पोस्ट वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर फैंस को कंगना का सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की तारीफ करना काफी पसंद आ रहा है। सोशल मीडिया पर कंगना की जमकर तारीफ की जा रही है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी 6 फरवरी को सूर्यगढ़ पैलेस में सात फेरे लेंगे। 4 फरवरी से प्री वेडिंग फंक्शन शुरू हो जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 5 फरवरी को कपल की संगीत सेरेमनी होगी। 7 फरवरी को रिसेप्शन होगा।

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड | मन की बात

मैडम सर छोड़ने के बाद गुल्की जोशी पर भड़कीं शिल्पा शिंदे

'भाभी जी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी बन हर घर मे छाने वाली शिल्पा शिंदे अक्सर ही सुर्खियों में बनी रहती हैं। अंगूरी भाभी के किरदार में शिल्पा को फैंस ने काफी पसंद किया था। ऐसे में जब मेकर्स के साथ हुए बवाल के बाद शिल्पा ने शो को छोड़ा, तो वह निराश भी हो गए थे। वहीं, हाल ही में जब शिल्पा ने मैडम सर में नैना माथुर के किरदार के साथ वापसी की तो फैंस काफी खुश हो गए। लेकिन अब वह इस शो को भी अलविदा कह चुकी हैं और साथ ही शो के मेकर्स और लीड एक्ट्रेस पर निशाना भी साधा है। दरअसल, शिल्पा शिंदे को मैडम सर में अपना ट्रैक पसंद नहीं आ रहा था और ऐसे में उन्होंने शो को छोड़ दिया। शिल्पा ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि शो में उनके किरदार नैना माथुर को बड़ा होना था, लेकिन फिर उसे बिना किसी जानकारी के छोटा कर दिया गया। इसके अलावा शिल्पा की शो की दूसरी एक्ट्रेस के साथ भी ट्विनिंग भी अच्छी नहीं बैठ रही थी। वहीं, मैडम सर में लीड रोल निभा रही गुल्की जोशी ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि वह फैसला दर्शकों पर छोड़ती हैं, वो ही बताएंगे कौन डिजर्व करता है। उन्होंने कहा, अगर हम अपना काम ईमानदारी ने नहीं करते तो शो तीन साल नहीं चलता और अब यह 15 मिनट का फेम शांति से रह सकता है। गुल्की जोशी के इस बयान के बाद शिल्पा शिंदे ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर पलटवार किया है। वह वीडियो में अपनी भड़ास निकालती नजर आ रही हैं। शिल्पा कहती हैं, मुझे औरत होने पर अफसोस हो रहा है क्योंकि कुछ औरतें मैडम सर जैसा शो करती हैं लेकिन दिखा देती हैं कि मैं औरत हूं और मेरी अक्ल घुटनों में है। क्या बताऊं वो ऐसे हरकतें क्यों करती हैं? मेरे बारे में दो औरतें कुछ भी बकवास किए जा रही हैं। तुम्हारा शो इतना अच्छा जा रहा होता तो शिल्पा शिंदे शो में आती क्या? लगता है कि इन औरतों को पता चल गया है कि इनकी महीने भर की फीस मेरी एक दिन की है।

पत्नी आलिया ने बढ़ाई नवाजुद्दीन की मुश्किलें

नवाजुद्दीन सिद्दीकी और उनकी पत्नी आलिया सिद्दीकी काफी समय से विवादों में बने हुए है। कुछ दिन पहले आलिया ने नवाज और उनके परिवार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद अब मुंबई कोर्ट ने उन्हें नोटिस भेजा है। नवाजुद्दीन की पत्नी आलिया ने कुछ दिन पहले अपने वकील रिजवान सिद्दीकी के जरिए शिकायत दर्ज करवाई थी। उन्होंने नवाज और उनके परिवार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि नवाजुद्दीन और उनकी फैमिली ने उन्हें कई दिनों तक खाना नहीं दिया है। इसके अलावा सोने के लिए बेड और नहाने के लिए बाथरूम तक नहीं दिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मुंबई की अंधेरी कोर्ट ने आलिया की शिकायत पर नवाज पर नोटिस जारी किया है। बता दें कि नवाज की पत्नी ने उन पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। आलिया के वकील के अनुसार नवाजुद्दीन के मैनेजर को नोटिस मिल गया है यहां तक नवाज को भी नोटिस मिल गया है, लेकिन उन्होंने नोटिस का जवाब नहीं दिया। इसके साथ ही आलिया के वकील ने कहा कि सभी मामलों की सुनवाई आने वाले दिनों में होनी ही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आलिया और नवाज की मां के बीच प्रॉपर्टी को लेकर विवाद है। इस विवाद की वजह से मामला पुलिस तक पहुंच गया।

तोते की हरकत से मालिक को हुई दो महीने की जेल, देना पड़ा 74 लाख रुपये जुर्माना

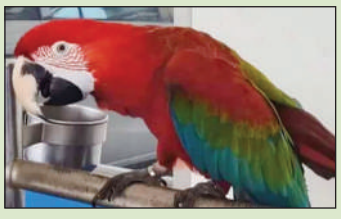

लोग अपने घरों में पक्षियों को भी पालते हैं। पक्षियों में ज्यादातर लोग तोते को पालतू के रूप में पसंद करते हैं। तोते बहुत नटखट होते हैं और उनकी हरकतें लोगों को काफी पसंद आती हैं। लेकिन एक शख्स को अपने पालतू तोते की वजह से 74 लाख रुपए का जुर्माना भरना पड़ा। इतना ही नहीं शख्स को तोते ही वजह से दो महीने की जेल भी हो गई। मामला ताइवान का बताया जा रहा है। दरअसल, शख्स के पालतू तोते की वजह से एक डॉक्टर को चोट लग गई। इसको लेकर डॉक्टर ने तोते के मालिक के खिलाफ कोर्ट केस किया था। कोर्ट ने तोते के मालिक पर लाखों का जुर्माना लगाया और 2 महीने की जेल की सजा भी सुनाई। रिपोर्ट्स के अनुसार, डॉक्टर लिन सुबह जॉगिंग कर रहे थे। वहां एक शख्स अपने पालतू तोते के साथ आया था। बताया जा रहा है कि उसका तोता मकाऊ प्रजाति का है। जब डॉक्टर दौड़ रहा था तो उस शख्स का पालतू तोता उड़कर डॉक्टर के कंधे पर बैठ गया और अपने पंख फड़फड़ाने लगा। इससे डॉक्टर डर गए और नीचे जमीन पर गिर पड़े। जमीन पर गिरने से डॉक्टर घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। नीचे गिरने से डॉक्टर की हड्डी टूट गई और उन्हें करीब सालभर तक बिस्तर पर ही रहना पड़ा। डॉक्टर लिन एक प्लास्टिक सर्जन हैं और उसे सर्जरी करने के लिए लंबे समय तक खड़े रहना पड़ता है, इसलिए, चोट के कारण भारी वित्तीय नुकसान हुआ। डॉ. लिन ने अपने वित्तीय नुकसान के लिए हर्जाने के लिए एक नागरिक दावा दायर किया। कोर्ट ने तोते के मालिक हुआंग पर 91,350 डॉलर (74 लाख रुपये) का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा उसे दो महीने की जेल की सजा भी सुनाई गई है। ताइनान जिला न्यायालय के प्रशासनिक प्रभाग के एक मीडिया प्रवक्ता के अनुसार, यह मामला दुर्लभ है और पिछले एक दशक में दीवानी अदालत में हुई किसी भी सुनवाई से अलग है। जज ने कथित तौर पर कहा कि 60 सेमी विंग स्पैन के साथ 40 सेमी लंबा मकाऊ का आकार का मतलब है कि इतने बड़े जानवर के मालिक को सुरक्षात्मक उपाय करने चाहिए। वहीं तोते के मालिक हुआंग ने कहा कि वह अदालत के फैसले को स्वीकार करता है लेकिन अपील करने की योजना बना रहा है, यह दावा करते हुए कि मकाऊ हिंसक पक्षी नहीं हैं और जुर्माना बहुत अधिक है।

अजब-गजब | डेथ रेलवे के नाम से जाना जाता है इन रेलवे रूट को

इस रेलवे लाइन को बनाने में हुई थी 1.20 लाख लोगों की मौत

दुनिया के इतिहास में कई ऐसी दर्दनाक घटनाएं घटी हैं जिनके बारे में जानकर रूह कांप जाती है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान लोगों को इस तरह मारा गया जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। ऐसी ही दर्दनाक घटना एक रेलवे लाइन बनाने के दौरान हुई थी। इस रेलवे लाइन को बनाने की वजह से एक लाख 20 हजार लोगों की मौत हो गई थी। इस रेलवे रूट को डेथ रेलवे के नाम से भी जाना जाता है। इस रेलवे लाइन की लंबाई 415 किमी है जो थाईलैंड और बर्मा के रंगून को जोड़ती है।

इस रूट पर पड़ने वाली क्वाई नदी पर बनाए गए डेविड लियान के ब्रिज की कहानी भी बेहद भयानक है। जापान ने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान साल 1942 में थाईलैंड और बर्मा को जोड़ने के लिए इस रेलवे लाइन को बनाने का फैसला किया था। आज हम आपको डेथ रेलवे की खूनी कहानी के बारे में बताएंगे। थाईलैंड से बर्मा को जोड़ने वाले रेल रूट को डेथ रेलवे के नाम से जाना जाता है। माना जाता है कि इस 415 किमी लंबे रेलवे रूट को बनाने में एक लाख 20 हजार लोगों की जान गई थी। युद्ध के बाद के इस रेलवे लाइन की मरम्मत की गई और इस पर ट्रेन सेवा शुरू की गई। वर्तमान समय में कंचनबुरी के उत्तर में नाम टोक तक इस रेल रूट पर ट्रेन चलती है। इस रूट का सबसे फेमस और भयावह क्वाई नदी पर बनाया गया पुल है।

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जापान का सिंगापुर से लेकर बर्मा तक के इलाकों पर कब्जा हो गया था। इसके बाद जापान हिंद महासागर, अंडमान और बंगाल की खाड़ी में सक्रिय अपनी सहयोगी जहाजों के लिए बर्मा में एक सुरक्षित जमीनी मार्ग का निर्माण करना चाहता था। लेकिन बैंकाक से हुआ हिन और दक्षिण तक एक रेलवे लाइन थी। इसके बाद जापान ने बैंकॉक के पश्चिम में एक ब्रांच लाइन के निर्माण की योजना बनाई। यह रेल लाइन बर्मा के उत्तर में स्थित थी। थाईलैंड में नोंग प्लाडुक और बर्मा में थानबुयाजत के बीच इस रेलवे लाइन को बनाने का निर्णय लिया गया जिसकी लंबाई करीब 415 किमी थी। साल 1942 में रेलवे लाइन को बनाने का काम शुरू किया गया जिसका कार्य 15 महीने में पूरा हुआ। थाईलैंड, चीन, इंडोनेशिया, बर्मा, मलेशिया और सिंगापुर समेत एशियाई देशों के एक लाख 80 हजार और मित्र देशों के 60 हजार कैदियों को इस रेलवे लाइन को बनाने के लिए लगाया गया था। रेलवे लाइन बनाने वाले लोगों के साथ जापानी सेना ने क्रूर व्यवहार किया था। एक लाख 20 हजार मजदूरों में 16 हजार लोगों की अलग-अलग बीमारियों से मौत हुई थी।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान की सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने की तारीफ

धर्म के ठेकेदारों की कलई खोल दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रामचरितमानस पर विवाद बयान देकर चर्चा में आए समाजवादी पार्टी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य की बयानबाजी अभी भी जारी है। बीते कुछ दिनों से सपा नेता लगातार अपने विरोधियों पर जुबानी हमले कर रहे हैं। अब उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के पंडितों वाले बयान पर प्रतिक्रिया दी है।

सपा नेता ने कहा, जाति-व्यवस्था पंडितो (ब्राह्मणों) ने बनाई है, यह कहकर अरएसएस प्रमुख श्री भागवत ने धर्म की आड़ में महिलाओं, आदिवासियों, दलितों व पिछड़ो को गाली देने वाले तथाकथित धर्म के ठेकेदारों व ढोंगियों की कलई खोल दी, कम से कम अब तो रामचरित्र मानस से आपत्तिजनक टिप्पणी हटाने के लिये आगे आयें।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने आगे कहा, यदि यह बयान मजबूरी का नहीं है तो साहस दिखाते हुए केंद्र सरकार को कहकर, रामचरितमानस से जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर नीच, अधम कहने तथा महिलाओं, आदिवासियों, दलितों व पिछड़ों को प्रताड़ित, अपमानित करने वाली टिप्पणियों को हटवायें। मात्र बयान देकर लीपापोती करने से बात बनने वाली नहीं है।

सरसंघचालक मोहन भागवत का बयान

दरअसल, सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है, हिन्दू समाज को देश में नष्ट होने का भय दिख रहा है क्या? यह बात आपको कोई ब्राह्मण नहीं बता सकता। आपको समझना होगा। हमारी आजीविका का मतलब समाज के प्रति भी जिम्मेदारी होती है। जब हर काम समाज के लिए है तो कोई ऊंचा, कोई नीचा या कोई अलग कैसे हो गया? उन्होंने आगे कहा, भगवान ने हमेशा बोला है कि मेरे लिए सभी एक है। उनमें कोई जाति, वर्ण नहीं है लेकिन पंडितों ने श्रेणी बनाई वो गलत था। देश में विवेक, चेतना सभी एक है, उसमें कोई अंतर नहीं। बस मत अलग-अलग है। धर्म को हमने बदलने की कोशिश नहीं की। देश में कौशल की कोई कमी नहीं है, लेकिन हम दुनिया में प्रमुखता हासिल करने के बाद अन्य देशों की तरह नहीं होंगे।

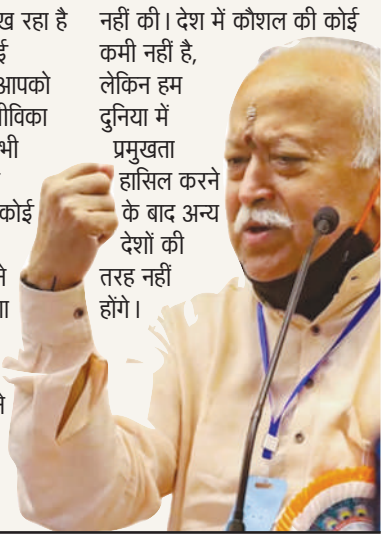

अब घर बैठे केशव को सुना सकते हैं अपना दुखड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने संत रविदास जयंती के मौके पर अपने कैंप कार्यालय पर एक कार्यक्रम में www.keshavprasadmaurya.com वेबसाइट लांच की। उन्होंने मोबाइल एप का भी लोकार्पण किया।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि इस वेबसाइट और एप पर घर बैठे कोई भी व्यक्ति अपनी या सार्वजनिक शिकायत, अनुरोध पत्र या सुझाव दे सकता है। सुझाव या शिकायती पत्र पर हुई कार्रवाई का विवरण भी घर बैठे देख सकता है। इससे लोगों की समस्याओं का त्वरित गति से समाधान होगा।

मध्य प्रदेश में तोड़फोड़ करने की नहीं आएगी नौबत : कमलनाथ

» पूर्ण बहुमत से विधान सभा चुनाव जीतेगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा है कि इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की सरकार बननेगी। उन्होंने कहा मेरा पूरा विश्वास है कि इस बार मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में जैसे परिणाम आएंगे, तोड़फोड़ करने की किसी को नौबत ही नहीं आएगी।

वहीं, उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में पार्टी अपने संगठन के तमाम लोगों से चर्चा करके और सर्वेक्षण के आधार पर जीतने वाले प्रत्याशी को टिकट देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा से कांग्रेस में आने वाले इच्छुक नेताओं के लिए पार्टी के वरिष्ठ अधिकारी निर्णय करेंगे।मध्यप्रदेश में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व सीएम कमलनाथ ने सीएम चेहरे को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह किसी पद का आकांक्षी नहीं हैं। कमलनाथ ने कहा कि उन्होंने ईश्वर की कृपा से अपने जीवन में बहुत कुछ प्राप्त कर लिया है और अब उनका लक्ष्य सिर्फ मध्यप्रदेश के भविष्य को सुरक्षित रखना है।

अडानी मामले को लेकर लोकसभा में हो चर्चा

पूर्व कमलनाथ ने कहा कि पिछले छह दिनों में अदाणी समूह के शेयरों के गिरने के मामले की पूरी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकसभा में अदानी मामले को लेकर कांग्रेस पार्टी ने चर्चा की मांग की है। मेरा मानना है कि इसमें पूरी जांच होनी चाहिए और सदन में भी इस पर चर्चा होनी चाहिए।

नफरत छोड़ो, संविधान बचाओ अभियान देश में और तेज चलेगा

केंद्र सरकार की गलत नीतियों पर होगा आंदोलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नफरत छोड़ो, संविधान बचाओ अभियान के तीसरे चरण की रूपरेखा तय करने और अब तक हुए कार्यक्रमों का मूल्यांकन करने के लिए गत 31 जनवरी को गांधी शांति प्रतिष्ठान में बैठक संपन्न हुई। बैठक में आम राय थी कि केंद्र सरकार द्वारा जिस तेजी से किसान - मजदूर, दलित, आदिवासी, महिला और युवा विरोधी, कारपोरेट मुखी नीतियां लागू की जा रही हैं , लोकतांत्रिक संस्थाओं को पूरी तरह ध्वस्त किया जा रहा है और समाज को हर स्तर पर सांप्रदायिक और जातिवादी आधार पर बांटने का काम किया जा रहा है, उसे रोकने के लिए देश की लोकतांत्रिक, समाजवादी, प्रगतिशील ताकतों को एकजुट करने की आवश्यकता है ।

अभियान में तेजी लाने और व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रम तय करने की आवश्यकता है। बैठक में विभिन्न संगठनों के 75 साथी शामिल हुए । बैठक में नफरत छोड़ो संविधान बचाओ अभियान का देशभर में जिले एवं राज्य स्तर पर अगले 3 माह में सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। 2024 के चुनाव में जन आंदोलनों की भूमिका तय करने एवं व्यापक पैमाने पर

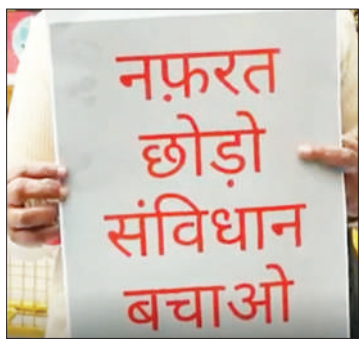

अभियान में जन आंदोलन की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए डॉ.जी.जी.परीख जी के प्रस्ताव पर एस.एम. जोशी फाउंडेशन में मार्च में दो दिवसीय शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया । शिविर की जिम्मेदारी फिरोज मीठीबोरवाला, गुड्डी, सुभाष वारे, सुभाष लोमटे, संजय मं.गो., सुशीला ताई मोराळे को सौंपी गई। 30 जनवरी के कार्यक्रम के दौरान जन आंदोलनों, राजनीतिक दलों एवं जंतर मंतर पर उपस्थित लगभग 1200 साथियों की सहमति से पारित संकल्प को सभी राजनीतिक दलों को भेजने का निर्णय लिया गया। उपस्थित साथियों की राय थी कि विपक्षी दलों से अभियान द्वारा पारित संकल्प को न्यूनतम साझा कार्यक्रम के तौर पर स्वीकार करने के लिए लिखकर, मिलकर, संवाद कर प्रयास किया जाना चाहिए।

मेधा पाटकर, कुमार प्रशांत जी, अरूण श्रीवास्तव, शबनम हाशमी और डॉ. सुनीलम को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। सांप्रदायिक एवं सामाजिक सद्भाव, बेरोजगारी, चुनाव सुधार, मीडिया से जुड़े मुद्दों को लेकर विभिन्न क्षेत्रीय स्तर पर सम्मेलन करने का निर्णय लिया गया। मीडिया पर सम्मेलन करने की जिम्मेदारी कुमार प्रशांत जी को सौंपी गई । उन्होंने बताया कि सर्वोदय समाज द्वारा जयपुर में पहले से ही एक बड़े कार्यक्रम की तैयारी की जा रही है। बैठक में निर्णय हुआ कि अभियान के साथी कुमार प्रशांत द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अभियान की ओर से भागीदारी करेंगे। चुनाव सुधारों को लेकर कार्यक्रम करने की जिम्मेदारी अरुण श्रीवास्तव, अंजलि भारद्वाज, फिरोज मीठीबोरवाला एवं डॉ सुनीलम को सौंपी गई। वे चुनाव सुधार अभियान के अभियान का नेतृत्व कर रहे रामशरण के साथ मिलकर कार्यक्रम की रूपरेखा तय करेंगे।

कई चुनौतियों के बीच अब हिमाचल कांग्रेस नेताओं की फिर दिल्ली दौड़

» मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिह सुक्खू सात फरवरी को जा सकते हैं नई दिल्ली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। कई चुनौतियों के बीच हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के नेताओं की अब दिल्ली दौड़ फिर शुरू हो गई। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिह सुक्खू 7 फरवरी को नई दिल्ली जा सकते हैं। वहीं, मंत्री विक्रमादित्य सिंह पहले ही पहुंच गए हैं। 9 फरवरी को उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री का भी नई दिल्ली पहुंचने का कार्यक्रम है। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से प्रदेश के मौजूदा हालात पर ये नेता मंथन करेंगे। कांग्रेस के राज्य प्रभारी राजीव शुक्ला से भी इन नेताओं की मुलाकात संभावित है। 10 फरवरी को गोवा में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के बेटे की शादी है। हालांकि, सीएम वहां भी जा सकते हैं।

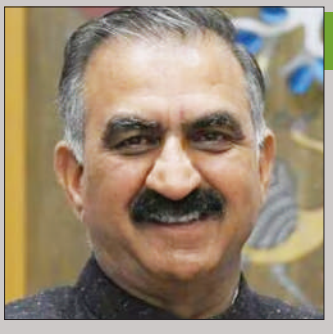

कांग्रेस के तीनों प्रमुख नेताओं के दिल्ली दौरे तय होते ही सियासी गलियारों में हलचल शुरू हो गई है। पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) को लागू करना और सीमेंट प्लांटों पर तालाबंदी से निपटना सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। मिशन 2024 के लिए आक्रामक होती भाजपा के खिलाफ भी कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व हिमाचल सरकार के नेताओं को विशेष निर्देश जारी कर सकता है। हालांकि लोक निर्माण और खेल मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने 8 फरवरी को भोपाल में खेलो इंडिया कार्यक्रम में भाग लेना है।

जनता पर बोझ डालने की तैयारी से संतुष्ट नहीं केंद्रीय नेतृत्व

मुख्यमंत्री सुक्खू हिमाचल की अर्थव्यवस्था पटरी पर लाने के लिए बार-बार दोहरा रहे हैं कि कड़े फैसले लेने होंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार कांग्रेस सरकार की जनता पर बोझ डालने की इस तैयारी से पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व संतुष्ट नहीं है। ऐसे में इन नेताओं से इस पर भी केंद्रीय नेतृत्व चर्चा कर सकता है। मसला यह है कि जनता पर वित्तीय बोझ डालने के कोई भी कड़े फैसले लोकसभा चुनाव में सरकार के लिए चुनौती बन सकते हैं।

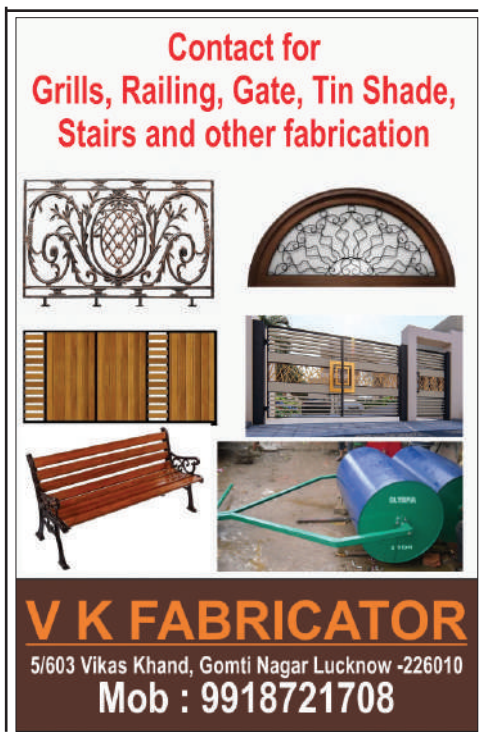

संसद से सड़क तक संग्राम, कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अदाणी मामले को लेकर कांग्रेस ने देशभर में प्रदर्शन शुरू कर दिया है। कांग्रेस कार्यकर्ता एसबीआई और एलआईसी कार्यालयों के सामने प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं अन्य विपक्षी दल डीएमके,एनसीपी, बीआरएस, जदयू, सपा, सीपीएम, सीपीआई, केरल कांग्रेस (जोस मणि), जेएमएम, राजद, आरएसपी, आप, आईयूएमएल, राजद और शिवसेना ने संसद सत्र से पहले अहम बैठक की। मीटिंग मल्लिकार्जुन खरगे के चैंबर में हुई। इस दौरान अदाणी-हिंडनबर्ग और अन्य मुद्दों पर रणनीति बनाने पर चर्चा हुई।

सूत्रों की मानें तो विपक्षी दलों ने फैसला किया है कि वे संसद के दोनों सदनों में स्थगन प्रस्ताव देंगे। अदाणी मामले पर चर्चा की मांग की जाएगी। इसके अलावा कोई और काम नहीं होगा। अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर आज विपक्षी दलों ने संसद भवन के बाहर प्रदर्शन किया था। विपक्षी दलों ने अदाणी समूह के खिलाफ धोखाधड़ी और शेयरों में हेराफेरी के आरोपों की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। दिल्ली में भारतीय युवा कांग्रेस ने जंतर-मंतर पर अदाणी मुद्दे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। वहीं यूपी में भी कांग्रेस ने जमकर प्रदर्शन किया। उधर जम्मू-कश्मीर में अदाणी मुद्दे को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। विरोध-प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जम्मू में बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की। कांग्रेस की छात्र शाखा नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया ने दिल्ली में अदाणी मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया और जेपीसी जांच की मांग की। बेंगलुरु में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) जांच की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन किया। अदाणी मुद्दे को लेकर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने मुंबई में एसबीआई कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। हैदराबाद में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एसबीआई कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। तमिलनाडु के चेन्नई में कांग्रेस ने एलआईसी कार्यालय के बाहर (अदाणी स्टॉक क्रैश) मुद्दे पर प्रदर्शन किया।

देश में जो गड़बड़ी हो रही है उस पर पीएम जवाब दें : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हमने जो नोटिस (267) दिया है, उस पर चर्चा होनी चाहिए, क्योंकि ये राष्ट्रपति के अभिभाषण से अलग विषय है। हम चाहते हैं कि पहले इस पर चर्चा हो।राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हम चर्चा के लिए तैयार हैं, लेकिन पूरे देश में जो गड़बड़ी हो रही है उस पर पीएम जवाब दें। संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) या सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में अदाणी समूह के मामले की जांच की मांग को लेकर विपक्षी सांसद संसद परिसर में गांधी प्रतिमा के विरोध में इकट्ठा हुए। विपक्षी सांसदों ने विरोध प्रदर्शन किया। संसद की कार्यवाही 11 बजे शुरू हुई। लोकसभा में विपक्षी सांसद वेल में आकर लगातार नारेबाजी करने लग। लोकसभा सांसद विपक्षी सांसदों से चर्चा होने देने की मांग कर रहे थे। अदाणी मामले पर कांग्रेल सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि हम ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) जांच चाहते हैं, सरकार हर चीज को छिपाना चाहती है। सरकार की पोल खुल गई है।

लोकसभा-राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित

बजट पेश होने के बाद से अब तक संसद में एक भी दिन चर्चा नहीं हो पाई है। गौतम अदाणी मामले को लेकर विपक्षी दल लगातार संसद के दोनों सदनों में हंगामा कर रहे हैं और इस मामले पर संसदीय कमेटी बनाने की मांग कर रहे हैं, उधर सत्ता पक्ष राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की मांग कर रहा है। दोनों की जिद के चलते जनता से जुड़े मामले नहीं उठ पा रहे हैं। इसकी वजह से सदन की गरिमा को ठेस पहुंच रही है।

आज भी हंगामे के बाद लोकसभा-राज्यसभा की कार्यवाही को दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दिया गया है। उधर, कांग्रेस ने आज देश भर में एलआईसी कार्यालयों के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रही है। राज्यसभा में भी विपक्षी सांसदों का प्रदर्शन जारी रहा। इस बीच सदन की कार्यवाही को दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दिया गया है। विपक्षी सांसदों के हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही को दो बजे तक स्थगित कर दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के 5 नए जजों ने ली शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय को पांच नए न्यायाधीश मिल गए हैं, जिससे शीर्ष अदालत में कुल न्यायाधीशों की संख्या 32 हो गई है। उच्चतम न्यायालय के लिए स्वीकृत न्यायाधीशों की संख्या 34 है। सोमवार को क्रमशः राजस्थान, पटना और मणिपुर के उच्च न्यायालयों के तीन मुख्य न्यायाधीशों - न्यायमूर्ति पंकज मित्तल, न्यायमूर्ति संजय करोल और पीवी संजय कुमार के साथ पटना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा ने शपथ ली।

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) द्वारा इन्हें शपथ दिलाई गई। यह समारोह अदालत के नए भवन में सभागार में आयोजित हुआ।पांच न्यायाधीशों में सबसे वरिष्ठ न्यायमूर्ति मित्तल हैं, जिनका मूल कैडर इलाहाबाद उच्च न्यायालय है. वह पिछले साल 14 अक्टूबर से राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे। न्यायमूर्ति मित्तल को 7 जुलाई, 2006 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था और 2 जुलाई, 2008 को स्थायी न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। उन्होंने 4 जनवरी, 2021 को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए साझा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। दूसरे वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति करोल हैं, जिनका मूल उच्च न्यायालय कैडर हिमाचल प्रदेश है, पदोन्नति के समय वे पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे, न्यायमूर्ति करोल का जन्म 23 अगस्त, 1961 को हुआ। शिमला के प्रतिष्ठित सेंट एडवर्ड स्कूल से पढ़ाई के बाद उन्होंने गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, शिमला से इतिहास में ऑनर्स के साथ स्नातक किया। न्यायमूर्ति करोल 1998 से 2003 तक हिमाचल प्रदेश के महाधिवक्ता भी रहे और 8 मार्च, 2007 को हिमाचल हाई कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत हुए थे।

32
हुई शीर्ष अदालत में कुल न्यायाधीशों की संख्या

अब कर्णप्रयाग के कई घरों में दरारें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चमोली। उत्तराखंड के चमोली जिले के कर्णप्रयाग क्षेत्र के कई घरों में बड़ी-बड़ी दरारें देखने को मिल रही हैं। जानकारी के मुताबिक अब तक 38 घरों में दरारें देखने को मिली हैं। प्रशासन ने आनन-फानन प्रभावित हुए सभी मकानों को खाली करा करा लिया है।

उत्तराखंड के जोशीमठ में घरों में आई दरारों के बाद बेघर हुए लोगों का दर्द अभी कम भी नहीं हुआ है कि उससे पहले ही राज्य के एक और शहर में वैसी ही दरारें देखने को मिली हैं। प्रदेश के चमोली जिले के कर्णप्रयाग क्षेत्र के कई घरों में बड़ी-बड़ी दरारें देखने को मिल रही हैं। जानकारी के मुताबिक अब तक 38 घरों में दरारें देखने को मिली हैं। प्रशासन ने आनन-फानन प्रभावित हुए सभी मकानों को खाली करा करा लिया है। सभी प्रभावित 38 परिवार को नगर पालिका के रैन बसेरों और आटीआई कॉलेज की कक्षाओं में शिफ्ट कर दिया गया है। वहीं हालात पर प्रशासन करीब से नजर बनाए हुए है। इसी के ही साथ जोशीमठ में भू-धसाव को लेकर केंद्र सरकार के मंत्री विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह ने लोकसभा में एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी के सवाल के लिखित जवाब में कहा कि जोशीमठ में भू-धसाव से पहले तपोवन में हिमस्खलन और बाढ़ की घटनाएं हुई थीं। इसकी वजह से बिजली परियोजना का काम रोकना पड़ा था। उन्होंने कहा कि जोशीमठ और उसके आस पास कोई जल विद्युत परियोजना नहीं है।

38
घरों के परिवार शिफ्ट

असम में बाल विवाह के खिलाफ ऐक्शन जारी

अब तक कुल 2,441 लोगों को किया गया गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम में बाल विवाह से जुड़े मामलों में पुलिस का एक्शन जारी है। विपक्ष की आलोचना और प्रदर्शन के बीच असम पुलिस ने राज्य में बाल विवाह के खिलाफ अपनी मुहिम जारी रखी, और तीन दिन में कुल 2,441 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा था कि अगले विधानसभा चुनाव तक इस सामाजिक कुरीति के खिलाफ मुहिम जारी रहेगी, जिस पर विपक्षी खेमे ने विरोध जताया और इस मुहिम को जल्दबाजी में चलाया गया प्रचार का हथकंडा बताया।

दर्ज 4,074 प्राथमिकियों के आधार पर हुई गिरफ्तारियां

अधिकारियों ने कहा कि ये गिरफ्तारियां समूचे राज्य में दर्ज 4,074 प्राथमिकियों के आधार पर की गई हैं। पुलिस ने एक बयान में कहा कि कम से कम 139 लोगों को विश्वनाथ जिले में पकड़ा गया। इसके बाद बारपेटा में 130 और धुबरी में 126 लोगों को पकड़ा गया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।